पाठ 11. मंतर

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में भावनाओं पर नियंत्रण संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे उत्तेजित व उद्वेलित करने वाले कारकों से सकारात्मक रूप से निपटने की क्षमता बढ़ा सकें। बच्चों के मन का संसार बड़ा विचित्र और आकर्षक होता है। नटखट राम को देखकर तो ऐसा ही लगता है। मिस्टर शंकराचार्य और उनकी पत्नी की अग्नि-परीक्षा लेते रहने वाला यह नटखट, नादान बच्चा पाठ के अंत में तो अपने पिता को उनकी भाषा में उत्तर देकर पाठक को चकित कर देता है।

पाठ का सार

नन्हे राम, जिसकी उम्र मात्र आठ बरस है, कभी दुखी न होने वाला मस्त प्राणी नज़र आता है। राम के पिता मिस्टर शंकराचार्य पेशे से वकील हैं। एक बार राम के पिता को किसी विशेष कार्यवश पूना जाना पड़ा। अपनी बहन के आग्रह पर उन्हें राम को भी साथ में ले जाना पड़ा। रेलगाड़ी में राम की हरकतों से परेशान होकर मिस्टर शंकराचार्य ने उसकी टोपी छिपा दी। बाद में मंत्र पढ़ने का नाटक करते हुए राम को टोपी वापस दी गई। बाद में शरारती राम ने वही नाटक अपने पिता के ज़रूरी कागज़ात के साथ दोहराया। इस नाटकीय घटनाक्रम ने मिस्टर शंकराचार्य को चकित कर दिया था।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  बच्चों की मीठी शरारतों और उनपर माता-पिता की प्रतिक्रियाओं के कुछ उदाहरण/किस्से कक्षा में समय सीमा का ध्यान रखते हुए थोड़े अनौपचारिक वातावरण में बच्चों को सुनाएँ और उनसे सुने जा सकते हैं। कहानी का पठन दो कालांशों में किया जा सकता है। पाठ में आए नए शब्दों के अर्थ का परिचय अपने निर्णय और सुविधा व सार्थकता के आधार पर मौखिक-लिखित रूप से करा सकते हैं।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 93** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - सर्वनाम की परिभाषा बताकर उसके विभिन्न भेदों के बारे में चर्चा करें। वाक्य प्रयोग से लिंग का पता किस प्रकार चल सकता है, यह बताएँ। मुहावरों और कहावतों में अंतर स्पष्ट करें। कुछ अन्य उदाहरण भी दिए जा सकते हैं।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - वकालत एक पेशा है, इसके बारे में विस्तार से समझाएँ। कक्षा में किसी बच्चे के पिता या रिश्तेदार वकालत करते हों तो उस बच्चे को उनके बारे में बताने हेतु प्रोत्साहित करें।
  - शब्दों के खेल का संबंध समानार्थी शब्दों से है। इसमें अलग-अलग बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित करें।